PPMN

सहयोग आपका प्रयास हमारा

परिष्कार पत्रिका

प्रगति की ओर

जयपुर सहित, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, ब्यावर, जोधपुर, नागसूर, अलवर, कोटपूतली, बहरोड़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कानोता, बस्सी, नीम का थाना, रींगस, सीकर, कोटा, शिवदासपुरा, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, बीकानेर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश में प्रसारित

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

पोस्टल रजि. Jaipur City/ 240/ 2024-26 पाक्षिक (हिन्दी राष्ट्रीय) मूल्य 2 रूपए

विशेषांक

E-Mail : parishkarpatrika@gmail.com

वर्ष - 22 अंक 19 जयपुर: 8 मई 2024 से 22 मई 2024 RNI No : RJHIN/2002/9810 वार्षिक सदस्यता 251 रूपए

जरूरी सूचना

यदि आपके पास परिष्कार पत्रिका डाक से आता है और हर माह की 10 व 25 तारीख को पाबंदी से नहीं आ रहा है, तो अपने पोस्टमास्टर या डाकिए से हमारी बात कराएं या सूचित करें। इसका निश्चित रूप से समाधान निकलेगा।

सम्पर्क करें 9314407796

महिला एवं बाल विभाग में अधिकारियों का सम्मान

निरंतर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शासन सचिव ने किया प्रोत्साहित

परिष्कार पत्रिका जयपुर। महिला एवं बाल विकास शासन सचिव डॉ मोहनलाल यादव ने जयपुर में झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित महिला अधिकारिता निदेशालय में आयोजित बैठक में समीक्षित बाल विकास सेवाएं निदेशालय के जिलों में कार्यरत उपनिदेशकों के मासिक कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने पिछले महीने उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने उप निदेशक अलवर को प्रथम, उप निदेशक राजसमंद को द्वितीय तथा उप निदेशक सीकर को तृतीय स्थान पर रहने पर सम्मान पत्र देकर प्रोत्साहित किया। बैठक में शासन सचिव ने विभागीय अधिकारियों को विभाग की योजनाओं को पूर्ण गंभीरता से धरातल पर लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को बाल विकास एवं महिला उत्थान के लिए कार्य करने का अनुशासन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही अध्ययन अध्यापन से स्वयं को अपडेट रखने के लिए भी प्रोत्साहित किया। शासन सचिव ने ई-फाइल, केपी आई निर्धारित निरीक्षण एवं संपर्क प्रकरणों के निस्तारण हेतु समयबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त निदेशक चाँदमल वर्मा, संजय शर्मा, वित्तीय सलाहकार, पद्मचंद, उपनिदेशक पोषहार डॉ मंजू यादव और जिलों के उपनिदेशक उपस्थित रहे।

प्रत्येक गांव व कस्बे में पशु-पक्षियों के लिए चारा-पानी की व्यवस्था की जाए

परिष्कार पत्रिका जयपुर। पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त रवि जैन ने मुख्य सचिव के निर्देशानुसार आदेश जारी कर राजस्थान की सभी जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि भीषण गर्मी में प्रत्येक गांव व कस्बे में पशु-पक्षियों के लिए चारा दाना-पानी की व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि राजकीय कार्यालयों में पक्षियों के लिए पेड़ों पर पर्चिंडे लगवाने के साथ ही उनमें प्रतिदिन पानी की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। जहां पक्षियों की आवाजाही अधिक रहती है वहां पर एवं पेड़ों पर दाने के लिए पात्र रखवाने की भी व्यवस्था की जाए। इन कार्यों के लिए स्थानीय दानदाता, भामाशाह, सामाजिक संस्थाओं एवं ग्रामीणों से भी सहयोग लिया जा सकता है। इन परिंडों के फोटोग्राफ भी भिजवाये जाए। उन्होंने गांव में पशुओं के लिए स्थान-स्थान पर खेलिया रखवाने एवं उनमें प्रतिदिन पानी भरने की व्यवस्था भी करने के लिए निर्देशित किया है ताकि भीषण गर्मी में पशु प्यासे नहीं रहें।

आरपीएससी सहायक आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक परीक्षा 2023 16 मई से 2 जून तक

27 ऐच्छिक विषयों की परीक्षा का आयोजन परीक्षा दिनांक से 3 दिन पूर्व अपलोड किए जाएंगे प्रवेश-पत्र

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक कॉलेज शिक्षा विभाग परीक्षाए 2023 के तहत 27 विभिन्न ऐच्छिक विषयों की परीक्षा का आयोजन 16 से 24 मई 2024 तक एवं 28 मई से 2 जून 2024 तक निर्धारित कार्य मानुसार किया जाएगा। परीक्षा अंतर्गत प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक प्रश्नपत्र प्रथम एवं दोपहर 2:30 बजे से 5:30 बजे तक प्रश्न पत्र द्वितीय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। उक्त परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु ओएमआर उत्तर पत्रक के पाँचवे विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जायेगा। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा के प्रवेशपत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर परीक्षा दिनांक से तीन दिन पूर्व जारी किए जाएंगे। इस अनुसार अभ्यर्थी यथाशीघ्र प्रवेशपत्र डाउनलोड कर लेवें।

राज्यपाल ने किया नवनिर्मित संसद भवन का अवलोकन

राज्यपाल ने कहा भारतीय शिल्प, स्थापत्य और संवैधानिक दृष्टि से नवीन संसद भवन अद्वितीय

राज्यपाल ने लोकसभा अध्यक्ष ओमबिड़ला से की मुलाकात

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र लोकसभा पहुंचे। वहां उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों ने संविधान संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बाद में उन्होंने नवीन संसद भवन भी देखा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने राज्यपाल मिश्र को लोकसभा प्रकाशन के अंतर्गत प्रकाशित भारत का संविधान की प्रति भेंट की।

मिश्र ने नवनिर्मित संसद भवन का अवलोकन करते हुए कहा कि भारतीय शिल्प, स्थापत्य और संवैधानिक दृष्टि से नवीन संसद भवन अद्वितीय है। उन्होंने नवीन संसद भवन में निर्मित प्राचीन भारतीय इतिहास, कला और संस्कृति से संबद्ध गैलरी, संगीत की भारतीय परम्परा से संबद्ध दीर्घ, ऐतिहासिक, पौराणिक कथानकों के आलोक में निर्मित संसद भवन की कला वीथी को अद्भुत बताया। उन्होंने देश के सर्वोच्च लोकसभा और राज्यसभा सदनों में सदस्यों के बैठने की व्यवस्था के साथ संविधान से जुड़ी मौलिक दृष्टि संबंधित गैलरी का भी अवलोकन किया। राज्यपाल ने नवीन संसद भवन निर्माण में हरित तकनीक के उपयोग के अंतर्गत जल संरक्षण संरचनाओं, नवनिर्मित नवीन संसद भवन के संविधान सभागार, संसद की डिजिटल कार्यप्रणाली, संसद भवन की कलात्मक शिल्प और स्थापत्य गैलरी आदि को भी देखा। उन्होंने नवीन संसद भवन की भव्यता, वहां स्थापित ऐतिहासिक और धार्मिक संगोल आदि को भारतीय संस्कृति के साथ संविधान से जुड़ी दृष्टि के रूप में विशिष्ट बताया।

जयपुर विकास प्राधिकरण

तेरह बीघा भूमि पर दो नवीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

पांच बीघा सरकारी भूमि को करवाया अतिक्रमण मुक्त

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-10 में इकोलोजिकल जोन में जेडीए स्वामित्व की करीब 05 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-12 में निजी खातेदारी की करीब 13 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों का पूर्णतः ध्वस्त किया गया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जोन-10 के क्षेत्राधिकार इकोलोजिकल जोन में अवस्थित दिल्ली बाईपास रोड़, खोले के हनुमानजी के पास जेडीए स्वामित्व की करीब 05 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर निर्माण अवैध रूप से पत्थर, मल्बा, काटों की बाड़ए झाडियां डालकर, बाउण्ड्रीवाल कर कब्जा-अतिक्रमण किये जाने की शिकायत प्राप्त होने पर आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर जेडीए स्वामित्व की बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-10, 11, 03, तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

जेडीए द्वारा जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बारोड़ीए जिला जयपुर में करीब 03 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू-रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर सर्वमंगल विहार के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी बोवल सड़कें, बाउन्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफकी निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

इसी प्रकार जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जयसिंहपुरा कागडोड़ा जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि में नदी नाले की भूमि को सम्मिलित करते हुये पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू-रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर गणपति विहार के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर हाईटेंशन लाईन के नीचे ही रातों-रात बनाई गई मिट्टी बोवल सड़कें बाउन्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन.12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफकी निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-12, 01, पीआरएन नोर्थ तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

धानका समाज का पांचवां विद्यार्थी काउंसलिंग कैम्प 12 मई को दिल्ली में

परिष्कार पत्रिका जयपुर। धानका जनजाति समाज समिति दिल्ली के तत्वावधान में गांधी शांति प्रतिष्ठान दीन दयाल उपाध्याय मार्ग आईटीओ मेट्रो स्टेशन के पास नई दिल्ली में 12मई रविवार को आयोजित किया जाएगा।

समिति के संरक्षक बुलाराम धानका और अध्यक्ष बाबूलाल मावर के अनुसार धानका जनजाति समाज समिति वर्ष 2006 से शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि हमारे समाज के बच्चों को यह ज्ञात नहीं कि उन्हें दसवीं एवं 12वीं पास करने के बाद उन्हें कौन-कौन से विषय में पढ़ाई करनी है एवं कोर्स लेना है। किस नौकरी के लिए कब और कहां पर आवेदन करना चाहिए। इस विषय में छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की सलाह परामर्श व सहायता ना तो परिवार से मिलती है और ना ही बाहर से। ज्यादातर छात्र-छात्राएं ऐसे विषय का चयन कर लेते है जो बाद में उनके लिए हानिकारक साबित होते हैं और वह अपना भविष्य खराब कर लेते हैं। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए समाज के लोगों द्वारा आग्रह करने और समय की मांग को ध्यान में रखते हुए धानका जनजाति समाज समिति दिल्ली पांचवां छात्र-छात्राओं का सलाह एवं परामर्श शिविर आयोजित कर रही है जिसमें दिल्ली के विभिन्न स्थानों और राजस्थान के विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक उपस्थित होकर परामर्श शिविर में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर शिविर का लाभ समाज के जरूरतमंद विद्यार्थियों तक पहुंचा सकेंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय यज्ञ दिवस पर विशेष मंत्रों से आहुतियां दी

यज्ञ कोरा कर्म काण्ड नहीं सनातन चिकित्सा पद्धति है

ओउमाश्रय ने कोरोना को जीता यज्ञ का दावा कराएं जांच।

परिष्कार पत्रिका जयपुर। अन्तर्राष्ट्रीय यज्ञ दिवस पर निराश्रित जन सेवार्थ यज्ञ एवं संस्कारित पीढ़ी निर्माण को समर्पित ओमाश्रय सेवा धाम में विशेष मंत्रों से आहुतियां देकर यज्ञ सम्पन्न हुआ। ओउमाश्रय संचालक वैदिक चिंतक यशपाल यश ने कहा कि यज्ञ कोरा कर्म काण्ड नहीं सनातन चिकित्सा पद्धति है। यश ने कहाकि ओउमाश्रय सेवा धाम में कोरोना महामारी के दौरान औसत पचपन आश्रमवासियों को यज्ञ के कारण कोई एलोपैथिक दवा लेने की आवश्यकता नहीं हुई। यश ने दावा किया है कि मारक सैनेटाइजर आदि शुरुआओं के साथ छः सात को लक्षण दिखने पर आइसोलेट कर होम्योपैथिक चिकित्सा दी गई सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई। यश ने बताया कि हम यज्ञों के वैज्ञानिक अनुसंधानों के आधार पर यह दावा करते हैं। यश ने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय भौतिक विज्ञान विभाग की प्रयोगशाला में परमाणु विकिरण रोधक यज्ञ किया जिसमें आधा घंटे यज्ञ से तीस प्रतिशत विकिरण कम आए। स्वाइल फ्लू के दौरान मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी के वरिष्ठ प्रोफेसर एपी शुक्ला की टीम ने परीक्षण किया और यज्ञकुंड के समीप दो मीटर पर वायरस काउंट 82तथा अढ़ाईस मीटर पर 180 आया। यश ने कहा कि जयपुर में अनावृष्टि के समय सफल वृष्टि यज्ञ हुए घनश्याम त्रिवाड़ी कालीचरण सराफ अशोक लाहोटी आदि ने भागीदारी निभाई। इस अवसर पर आयोजित यज्ञ में सीमा गोयल ने यज्ञ कराया भगवान दास गर्ग ने भजन गायन किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गर्मी से करें बचाव, काम आएंगे ये सुझाव

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जयपुर सहित सभी स्थानों पर गर्मी का प्रकोप बढ़ने लगा है। पारा 44 के पार पहुंच रहा है। ऐसे में लू-गर्मी हीटवेव से बचाव के लिए सावधानी अपनाएं।

क्या करें ?

घर से बाहर जो समय शरीरी को ढ़ककर रखें और हल्के रंग के आरामदायक कपड़े पहनें।

धूप में बाहर जाते समय छाता और आंखों पर धूप का चश्मा लगाएं।

थोड़े-थोड़े समयान्तराल पर तरल पदार्थ शीतल जल, नींबू पानी, शिकंजी, नारियल पानी आदि पीते रहें।

घर, कार्य स्थल आदि स्थानों पर सूर्य की सीधी रोशनी को रोकने के लिए पर्दा आदि का प्रबंध करें।

जानवरों को छायादार स्थानों पर रखें।

बच्चे, बीमार और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

लू के लक्षण दिखने पर नजदीकी राजकीय स्वास्थ्य केन्द्र पर सम्पर्क करे।

क्या न करें ?

अत्यधिक गर्मी दोपहर 12 से सांय 4 के मध्य बाहर धूप में जाने से बचें।

नंगे पैर या बदन धूप में जाने से बचें।

अत्यधिक प्रोटीन युक्त भोजन व बासी भोजन से बचें।

धूप में खड़ी गाड़ियों में बच्चों और पालतू जानवरों को अकेला न छोड़।

गहरे व चटक रंग के कपड़ों को पहनने से बचें।

तंग एवं छोटे कपड़ों का प्रयोग विशेषकर जब बाहर धूप में जाना हो तो प्रयोग नहीं करे।

बंद एवं अत्यधिक गर्मी वाले स्थानों पर भोजन पकाने में पूर्ण सावधानी बरते।

शराब, चाय, कॉफी, कार्बोहाइड्रेट, साफ्ट ड्रिंक्स आदि का सेवन अधिक नहीं करें।

इसके साथ ही हीटवेव के प्रति अतिसंवेदनशील लोग जैसे वृद्धजन, गर्भवती महिलाएं, बच्चे, श्रमिकों को हीटवेव से अवगत कराते हुए उन्हें पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराते हुए सुरक्षित रखें। पीपी

जीआईटीबी 2024 का हुआ समापन

भारत को ग्लोबल वेडिंग टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने पर रहा फोकस

परिष्कार पत्रिका जयपुर। ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के 13वें संस्करण का सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में ट्रैवल ट्रेड के बीच उत्साह के साथ समापन हुआ। इसमें बायर्स और सेलर्स दोनों नेटवर्किंग के अवसरों से संतुष्ट नजर आए। यह संस्करण भारत को ग्लोबल वेडिंग टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए समर्पित था। इस मेगा इवेंट में 52 देशों के कुल 242 प्रमुख इनबाउंड फॉरेन टूर ऑपरेटर्स एफटीओ फॉरेन बायर्स के रूप में शामिल हुए।

तीन दिवसीय जीआईटीबी का आयोजन राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फिक्की द्वारा किया गया। इस आयोजन को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान एचआरएआर इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन आईएचएए और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स राटो जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और क्षेत्रीय एसोसिएशंस का सहयोग प्राप्त था। मार्ट की सफलता के बारे में राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि जीआईटीबी सचिव बायर्स और सेलर्स को आकर्षित करने में बेहद सफल रहा है। दो दिनों के दौरान 10,000 से अधिक पूर्व-निर्धारित बी2बी बैठकें आयोजित की गई। मेजबान राज्य राजस्थान सहित 10 राज्यों की भागीदारी से पता चलता है कि मार्ट ने पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। मार्ट में भाग लेने के लिए 52 देशों से 242 एफटीओ आए। जीआईटीबी का यह संस्करण विशेष रूप से वेडिंग्स को बढ़ावा देने के लिए समर्पित थाए जिसके परिणामस्वरूप नेटवर्किंग सार्थक रही।

फिक्की टूरिज्म एंड कल्चरल कमेटी चेयरमैनए दीपक देवा ने कहा कि ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाज़ार के इस संस्करण ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यह मार्ट देश में पर्यटन के विकास को बढ़ावा देने का काम कर रहा है। इस वर्ष भी बायर्स टूर ऑपरेटर और सेलर्स पर्यटन उत्पादों के मालिक के बीच इंटरैक्टिव नेटवर्किंग देखी गई। ट्रैवल ट्रेड प्रोफेशनल्स ने मीटिंग्स में विचारों का आदान-प्रदान किया और नए व्यावसायिक अवसर तलाशे।

फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफराजस्थान एफएचटीआर और होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान एचआरएआर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला ने कहा कि जीआईटीबी जैसे आयोजनों से

इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा मिलता है। इससे फुटफॉल में वृद्धि होती है। देश में हवाई, रेल और सड़क कनेक्टिविटी में काफी हद तक सुधार से भारत पर्यटन के क्षेत्र में बड़े स्तर पर विकास के लिए तैयार है। दो दिवसीय बी2बी इंटरैक्शन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन आईएचएए के महासचिव गजसिंह अल्सीसर ने कहा कि जीआईटीबी स्टैंड-अलोन होटलों के लिए एक उत्कृष्ट नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म रहा हैए जहां फॉरेन बायर्स के साथ बातचीत और एक ही मंच पर सभी हितधारकों से मिला जा सकता है। चिन्हित बायर्स के साथ जीआईटीबी की देश में आयोजित अन्य मार्टों की तुलना में ज्यादा पहचान है। यहां सेलर्स चुन सकते हैं कि वे किन पार्टियों से जुड़ने में रुचि रखते हैं और उसी के अनुसार अपनी बैठकें पूर्व-निर्धारित करते हैं।

राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स राटो के प्रेसिडेंट महेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि मार्ट में आए बायर्स के लिए फैम फैमिलियराइजेशन टूर्स भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें कुल 95 टूर ऑपरेटर्स शामिल हो रहे हैं। इस टूर में तीन यात्रा कार्यक्रम शामिल हैं. जयपुर-बूंदी-उदयपुर-देवगढ़-जयपुर, जयपुर-सरिस्का-रणथंभौर-जयपुर और जयपुर-जोधपुर-जैसलमेर-बीकानेर-जयपुर।

सम्पादकीय

नेतृत्व करने वालों पर विचार कर उनके बारे में सोच-समझकर ही साथ लगाने में ही भलाई है। कई बार अन्य लोगो को देखकर बिना सोचे समझे, बिना सही जानकारी प्राप्त किए कुछ लोगो के साथ चल पडते हैं। उनका नेतृत्व स्वीकार करने लग जाते हैं। बिना की रास्ते के बारे मे जाने उस रास्ते पर चल पडते हैं। बिना किसी पार्टी और संगठन की विचारधारा के बारे मे प्रमाणित तथ्य की पहचान किए उसके साथ खडे हो जाते हैं। अनेक बार हम केवल भीड को देखकर भी उसका हिस्सा बन जाते हैं, लेकिन कुछ रास्ता चलने के बाद, कुछ समय बाद, सही जानकारी मिलने बाद, संगठन के गतिविधियों के बाद, नेतृत्व करने वालो के चाल चरित्र जानने के बाद हमे पता चलता है कि हम गलत रास्ते पर हैं। गलत विचारधारा, संगठन व नेतृत्व करने वाले के साथ है, लेकिन तब तक हमारा काफी समय, ऊर्जा, पैसा और साधनों का दुरुपयोग हो चुका होता है और इसके साथ हमारी छवि को भी नुकसान पहुंच चुका हैं। इसीलिए हमे किसी दिशा, लक्ष्य, विचारधारा, संगठन, पार्टी नेतृत्व करने वाले के बारे में पूरी जानकारी के प्रमाणित तथ्य की जानकारी हासिल करके उसके साथ चलने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि यदि हम सही दिशा हमारे निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं चाहे धीरे-धीरे, पैदल भी एक दिन मंजिल पर अवश्य पहुँचेंगे कुछ देर हो सकती है, लेकिन यदि हम गलत दिशा में आगे बढ़ रहें हैं तो तीव्र गति के वाहन से भी हम कभी मंजिल पर नहीं पहुँच सकते। इसीलिए कहा है कि गलत दिशा की तरफ बढ़ रही भीड का हिस्सा बनने से अधिक बेहतर है कि सही दिशा मे पहुंच बढाए। हमारे जीवन को अनेक लोग अपने अपने अनुभव और मार्गदर्शन से संवारे मे अहम भूमिका निभाते हैं। सबसे पहले हमारी माता हमारे दैनिक आवश्यकताओ को निभाना सीखाती है। फिर पिता हमे हमारे परिवार, रिश्तेदार व समाज की जानकारी व उसका दायित्व निभाना सीखते हैं। फिर हमारे गुरूजन हमं शिक्षा और ज्ञान का महत्व और आवश्यकता बताते हुए हमारे ज्ञान और शिक्षा को निखारते हैं। इसके साथ हमारे जीवन में आए विभिन्न लोग हमें अपने-अपने व्यवहार, आचरण, चरित्र के साथ-साथ सादगी, समर्पण, मित्रता, छलकपट, विश्वासघात जैसी योग्यताओं का महत्व से परिचय कराते है। यही सब मिलकर हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करने मे सहायक होते है और जो हम इन लोग से ग्रहण करते है उसी से हमारे व्यक्तित्व की रचना होती है। जैसे जैसे गुण व योग्यताओ को अपने व्यक्तित्व मे जगह देते है हम भी वैसे ही बन जाते हैं। मजबूत और जवूनी लोग हमें मजबूत बना देते हैं और कमजोर लोग हमे कमजोर बना देते है। इसलिए कहा है कि मार्गदर्शन सही हो तो सबकुछ सही हो जाता है और संकल्प मजबूत हो तो संसार मे कुछ भी मुश्किल नही लगता।

वरीष्ठ अध्यापक संस्कृत शिक्षा प्रतियोगिता परीक्षा 2022, 13 से 17 मई तक आयोजित होगी

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक संस्कृत शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत जारी अतिरिक्त विचारित सूचियों में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच 13 मई 17 मई 2024 तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार की जाएगी। इसका विस्तृत कार्यक्रम आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि आयोग द्वारा 5 फरवरी से 9 फरवरी तक आयोजित काउंसलिंग में अधिक संख्या में अभ्यर्थी अनुपस्थित रहने के कारण उक्त परीक्षा के अन्तर्गत विभिन्न 6 विषयों की अतिरिक्त विचारित सूचियां दिनांक 22 अप्रेल से 25 अप्रेल 2024 तक जारी की गई है। इन सूचियों में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच 13 मई से 17 मई 2024 तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार की जाएगी।

सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए आयोग वेबसाइट से विस्तृत आवेदन-पत्र एवं आवश्यक दिशा-निर्देश डाउनलोड कर विस्तृत आवेदन-पत्र की प्रतियों में समस्त प्रविष्टियां पूर्ण कर संबंधित शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, जातिए मूल निवास एवं अन्य दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियां एक प्रति में संलग्न कर मूल दस्तावेजों के साथ निर्धारित दिनांक को आयोग कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की विशेष बैठक आयोजित

राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्काउट गाइड चल वैजयंती शील्ड प्रदान की

स्काउट गाइड सह शैक्षिक गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन हो : राज्यपाल

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में स्काउट गाइड सह शैक्षिक गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी स्तरों पर वातावरण निर्माण कर कार्य किया जाए। राज्यपाल ने स्काउट गाइड में उत्कृष्ट कार्यों के लिए संगठन के सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी को इस अवसर पर चल वैजयंती शील्ड भी प्रदान की। राज्यपाल मिश्र राजभवन में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की विशेष बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार की जी दिवसीय कार्य योजना के अंतर्गत 1 हजार 500 नवीन विद्यालयों में स्काउट गाइड समूह का पंजीकरण कर इनकी गतिविधियां प्रभावी की गई हैं। इसी तरह 8 हजार 826 निष्क्रिय समूहों को सक्रिय किया गया तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 4 हजार से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। बैठक में इस संगठन के अंतर्गत गुणात्मक वृद्धि के लिए किए गए प्रयासों के बारे में भी बताया गया।

राज्यपाल ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि राजस्थान शिक्षा के साथ सह शैक्षिक गतिविधियों में देश भर में अग्रणी हैं। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमताओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में भी विद्यार्थियों की क्षमता विकास पर ही अधिक जोर दिया गया है। राज्यपाल ने पूरे देश में एक मात्र राजस्थान में स्काउट गाइड के आवासीय विद्यालयों का गठन कर उनका संचालन को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जगतपुरा, जयपुर और खुड़ी, लक्ष्मणगढ़, सीकर में इस तरह के आवासीय विद्यालयों और वहां की गतिविधियों से विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमताओं विकास के लिए किए कार्यों की सराहना भी की। उन्होंने राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की सहशैक्षिक गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन के साथ इनमें देशभर में राज्य को अग्रणी किए जाने का आह्वान किया। बैठक में बताया गया कि इस समय 60 प्रतिशत से अधिक विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधियां संचालित हो रही है। राज्यपाल ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय की तर्ज पर महाविद्यालयों और विद्यालयों के लिए सात दिनदीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिए भी कार्यवाही किए जाने पर सहमति जताई। उन्होंने इस संगठन में कोटा मनी और फंड के लिए राशि एकत्रण आदि के लिए भी प्रस्तावों के संबंधों में कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल ने स्काउट गाइड संगठन के जरिए युवाओं को अधिकाधिक लाभान्वित किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रीन कोर योजना के तहत स्काउट गाइड संगठन द्वारा ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण आदि के किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा इन गतिविधियों को और बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने संगठन के आम जन की सेवार्थ किए जा रहे कार्यों को भी अनुकरणीय बताया। बैठक में स्काउट गाइड के राजस्थान के मुख्ययुवृत्त निरंजन आर्य ने बताया कि आगामी 3 वर्षों में राज्य में 20 लाख स्काउट गाइड वृद्धि करने की योजना है। राज्य के 6 हजार 594 विद्यालय और महाविद्यालयों के स्वतंत्र समूह पंजीकृत किए गए। इसते पहले स्काउट गाइड के राज्य आयुक्त डा अखिल बुचल्ला और अन्य पदाधिकारियों ने राज्यपाल का अभिनंदन किया। राज्य सचिव पीसी जैन ने सभी का आभार जताया। राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल सहित बड़ी संख्या में बैठक में अधिकारियों ने भाग लिया।

कांस्टेबल ऑफ द मंथ अवार्ड

अज्ञात के शव की शिनाख्त करने वाले मुकेश सहित पांच सम्मानित

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट द्वारा कांस्टेबल ऑफद मंथ अवॉर्ड से पुलिस ने कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने मंगलवार को पांच जवानों को सम्मानित किया है। ये अवॉर्ड अप्रैल माह में किए गए कार्य के बदले दिया गया।

जोसफ ने बताया कि कमिश्नरेट के चारों जिले और यातायात में बेहतरीन कार्य करने वाले जवानों का उत्साह बढाने के लिए ये अवॉर्ड शुरू किया था। अप्रैल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्याधरपुरी थाने के कांस्टेबल मुकेश, वेस्ट जिले से डीएसटी के कोमल सिंह, नॉर्थ जिले से विद्याधर नगर के हरिओम, ईस्ट जिले से साधबर के भूपेन्द्र व यातायात से विजय कुमार को सम्मानित किया गया है। मुकेश ने कई लोगों से पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर विद्याधरपुरी में मिले अज्ञात शव की पहचान की। इसी तरह कोमल की सूचना पर कई मादक पदार्थ तस्कर पकडे गए थे। हरिओम ने वाहनों से पर्स चुराने वाले गिरोह का खुलासा किया था। इसके अलावा भूपेन्द्र ने काफी मशक्कत करके साधबर ठगी के पैसे रिफंड करवाए और विजय कुमार ने त्यौहारों सीजन और चुनावों के दौरान बेहतरीन डायवर्जन प्लान तैयार किया था। कार्यक्रम के दौरान एडिशनल कमिश्नर कैलाश बिश्नोई, प्रीति चन्द्रा व कुंवर राष्ट्रदीप सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त जांच दल द्वारा कलवाड़ा रोड़ महापुरा और महिंद्रा सेज रोड़ महापुरा स्थित फैक्ट्रियों पर कार्रवाई

बिना फूड लाइसेंस आइस क्यूब बना रही दो फैक्ट्रियां सीज

परिष्कार पत्रिका जयपुर। गर्मियों के मौसम में आइसक्रीम एवं अन्य पेय पदार्थ में मिलवट को रोकने हेतु शुरू किए गए विशेष अभियान के अंतर्गत आयुक्त खाद्य सुरक्षा इकबाल खान के निर्देशन, अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा पंकज कुमार ओझा के नेतृत्व तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ हंसराज भदनिया के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा कलवाड़ा रोड महापुरा जयपुर स्थित मैसर्स बालाजी आइस क्यूब फैक्ट्री पर कार्रवाई की गई। यह फैक्ट्री बिना फूड लाइसेंस के चल रही थी। आइस क्यूब बनाने की इस फैक्ट्री का कोई मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं था और ना ही पानी की जांच रिपोर्ट। इसके अलावा यहाँ हाइजीन और सेनिटेशन बहुत ही गंदा पाया गया। शिवानंदपुरी स्थित इस आइस क्यूब बनाने की फैक्ट्री राजू प्रजापत पुत्र सुरजा राम प्रजापत के नाम पर है। तुरंत प्रभाव से फैक्ट्री को सीज कर अग्रिम आदेशों तक निर्माण पर रोक लगाई गई। इसी प्रकार महिंद्रा सेज रोड महापुरा स्थित मैसर्स जयपुर कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड पर भी फूड लाइसेंस नहीं मिला। यहाँ बिना पानी की जांच रिपोर्ट के ही खाने योग्य बर्फ बनाई जा रही थी। यह बर्फ बड़ी होटल एवं रेस्टोरेंट में सप्लाई की जाती है। इस फैक्ट्री की हाइजीनिक और सेनिटेशन कंडीशन बहुत ही दयनीय पाई गई। जगह-जगह गंदगी एवं कचरा के ढेर पाए गए। मौके पर ना तो कोई पानी की जांच रिपोर्ट मिली और ना ही किसी कर्मचारी का मेडिकल सर्टिफिकेट पाया गया। फैक्ट्री में जिस आरओ प्लांट से पानी काम में लिया जा रहा था, उसके पाइपों में काई जम गई थी। पानी में लार्वा पाया गया। फैक्ट्री अनूप कुमार गर्ग पुत्र महेंद्र कुमार गर्ग के नाम से चल रही थी। इस फैक्ट्री को भी मौके पर सीज किया गया तथा अग्रिम आदेशों तक किसी भी प्रकार के निर्माण नहीं करने के लिए पाबंद किया गया। यह कार्रवाई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम एवं द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त जांच दल द्वारा कार्रवाई की गई। जिसमें रतन गोंदारा, दीपक कुमार सिंधी, रमेश चंद यादव, नरेश कुमार, नरेंद्र कुमार शर्मा एवं पवन गुप्ता शामिल रहे।

शक्ति दिवस में हुई एनीमिया की स्क्रीनिंग, मिला उपचार

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जिला जयपुर द्वितीय में शक्ति दिवस आयोजित किया गया। जिसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं और महिलाओं की एनीमिया की स्क्रीनिंग हीमोग्लोबिन की जांच के साथ अनिमिया का उपचार किया गया और आयरन की टेबलेट्स का वितरण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ हंसराज भदानिया ने बताया कि राजस्थान को अनिमिया मुक्त करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर माह के प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप में आयोजित किया जाता है। अभियान के तहत बच्चों, महिलाओं व किशोरियों में अनिमिया की दर कम करने के लिए उनकी अनिमिया की स्क्रीनिंग व उपचार किया जाता है। इसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं, विवाहित महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनिमिया मुक्ति के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

राज्य में बाल विवाह के प्रभावी रोकथाम के लिए उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश की पालना के निर्देश

मुख्य सचिव ने सभी जिला मजिस्ट्रेट को दिए निर्देश

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने प्रदेश में बाल विवाह रोकथाम के लिए आदेश जारी कर बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 प्रभावी होने के बावजूद भी बाल विवाह हो रहे है। पंचायती राज नियम 1996 में बाल विवाह रोकने का दायित्व सरपंच पर है। माननीय न्यायालय ने अंतरिम उपाय के तौर पर निर्देश दिए है कि बाल विवाह को रोकने के लिए जाँच के संबंध में संबंधित अधिकारियों से नियमित रिपोर्ट ली जाए। न्यायालय के आदेश मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सभी जिला मजिस्ट्रेट को प्रेषित कर निर्देश दिए हैं कि उक्त आदेश को पंच, सरपंच तथा अन्य प्राधिकारियों को प्रसारित कर बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम की जाए।

बाल विवाह की रोकथाम हेतु होगी निरन्तर निगरानी - आदेश के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा बाल विवाह जैसी कुप्रथा की रोकथाम हेतु अक्षय तृतीया आखातीज जैसे पर्वों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अन्य सावों पर भी विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाहों के आयोजन की संभावनाएं रहती हैं। अतः बाल विवाह की रोकथाम हेतु निरन्तर निगरानी रख क्षेत्र में बाल विवाह नहीं होना सुनिश्चित किया जाये।

व्यापक प्रचार-प्रसार और जनजागृति से बाल विवाह रोकने के होंगे प्रयास - बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम के लिए ग्राम एवं तहसील स्तर पर पदस्थापित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर आम जन में जनजागृति उत्पन्न कर बाल विवाह रोके जाने के लिए कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाल विवाह की रोकथाम हेतु जन सहभागिता व चेतना जागृत करने के लिए कार्य योजना बनाए तथा जिला व ब्लॉक स्तर पर गठित विभिन्न सहायता समूह, महिला समूह, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाडी कार्यकर्ता, महिला सुरक्षा सखी, साथिन सहयोगिनी के कोर ग्रुप को सक्रिय किया जाये।

ऐसे व्यक्ति व समुदाय जो विवाह सम्पन्न कराने में सहयोगी होते हैं यथा हलवाई, बैण्ड बाजा वाले, पंडित, बारती, टैंट वाले, ट्रांसपोर्टर इत्यादि से बाल विवाह में सहयोग न करने का आश्वासन लें और उन्हें कानून की जानकारी देना सुनिश्चित करें।

विवाह हेतु छपवे वाले निमंत्रण पत्र के लिए वर-वधू की आयु का प्रमाण प्रिन्टिग प्रैस वाले के पास रहे तथा निमंत्रण पत्र पर वर-वधु की जन्म तारीख प्रिन्ट किये जाने हेतु बल दिया जाएं।

अक्षय तृतीया, पीपल पूर्णिमा जैसे अबूझ सावों पर जिला एवं उप खण्ड कार्यालयों में नियंत्रण कक्ष स्थापित किये जाएं जो 24 घण्टे क्रियाशील रहेगें तथा नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नं सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा किया जावे। बाल विवाह की रोकथाम हेतु 181 कॉल सेन्टर पर तथा पुलिस नियंत्रण कक्ष का 100 नम्बर पर कॉल कर कभी भी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है, इसका भी व्यापक प्रचार प्रसार किया जावे।

पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए जिला कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

परिष्कार पत्रिका अजमेर। सेवानिवृत्त राज कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के संरक्षक राधेश्याम महलोत के नेतृत्व में शहर में बिगडती पेय जल समस्या के स्थायी समाधान की समस्या के लिए जिला कलक्टर डॉ भारती दिक्षित को ज्ञापन सौपा। अध्यक्ष करण सिंह ने बताया कि एक सप्ताह में 2-2 बार पाइप लाईन टूटने से जहाँ एक ओर आमजन को इस भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या से जूझ रहे है और अधिक राशि देकर टैंकर मंगवाने के लिए मजबूर हो रहे है वहीं जलदाय विभाग की कार्य प्रणाली पर भी सवालिया निशान लग रहा है की अधिक बार-बार पाइप लाईन टूटने के पीछे हल्की क्वालिटी के पाइप लाईन डालने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता। उन्होने ज्ञापन के माध्यम से आमजन के हित को ध्यान में रखते हुए पेयजल समस्या का स्थायी समाधान कर आमजन को राहत पंहुचाने की मांग की है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम सिंह रावत हरिकांक रैगरए मदन सिंह पंवार तेजलाल अर्जुन सिंह मदन लाल मेहरा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

ग्रीन लिंक्स मकड़ी की नई प्रजाति की खोज

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग के शोधकर्ताओं ने पौधों को नुकसान पहुंचाने वाले कीडों को खा जाने वाली ग्रीन लिंक्स मकड़ी की नई प्रजाति की खोज की है। विश्वविद्यालय जूलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमारी के निर्देशन में रिसर्च स्कॉलर निर्मला कुमारी के द्वारा की गई इस महत्वपूर्ण गहन खोज को देश के प्रतिष्ठित स्पाइडर रिसर्च लैब जो कि अमरावती, महाराष्ट्र में स्थित है, के विशेषज्ञ अरेकनोलॉजिस्ट डॉ.अतुल बोडके द्वारा पहचान कर पुष्टि की गई है व इसे इण्टरनेशनल सोसाइटी ऑफ अरेक -नॉलॉजी द्वारा विश्व के प्रतिष्ठित जर्नल द अरेकनोलोजिकल बुलेटिन ऑफ मिडिल ईस्ट एण्ड नॉर्थ अफ्रीका में प्रकाशित किया गया है। राजस्थान विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मकडी की खोज की गई इस नई प्रजाति का नाम प्युसेटिया छापरासिरीन दिया है। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमारी के अनुसार इस मकडी की प्रजाति की खोज ताल छापर अभयारण (चुरू) में की गई है व इसके नमूनों को राजस्थान विश्वविद्यालय की कीट विज्ञान प्रयोगशाला में संरक्षित रखा गया है। विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं को मकडी की यह नई प्रजाति तालछापर वन्य जीव अभयारण में फौरेस्ट वर्क के दौरान बबूल पेड की हरी पत्तियों पर मिली। इस मकडी का हरा रंग परिवेश में घुलने मिलने और पौधों को नुकसान पहुंचाने वाले कीडों के शिकार पर घात लगाने में सहायता करता है। इस मकडी के लंबे पैर फुर्ती से तेज चलने में सहायक होते हैं। इस मकडी की जीवन-शैली रात्रिचर होती है। विश्वविद्यालय शोधकर्ताओं ने इस ग्रीन लिंक्स मकडियों को पतंगों की कई प्रजातियों को खाते हुए भी पाया। राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने इस महत्वपूर्ण शोध के लिए ऐसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमारी एवं रिसर्च स्कॉलर निर्मला कुमारी को शुभकामनाऐं दी हैं।

एक पिता का अपने पुत्र के नाम मार्मिक पत्र

जब मैं बूढ़ा हो जाऊंगा

परिष्कार पत्रिका जयपुर। (लेखक : एक पिता)

मेरे प्यारे बेटे जब मैं बूढ़ा हो जाऊँगा, एकदम जर्जर बूढ़ा, तब तू क्या थोड़ा मेरे पास रहेगा। मुझ पर थोड़ा धीरज तो रखेगा न। मान ले, तेरे महँगे काँच का बर्तन मेरे हाथ से अचानक गिर जाए या फिर मैं सब्ज़ी की कटोरी उल्ट दूँ टेबल पर। मैं तब बहुत अच्छे से नहीं देख सकूँगा न, मुझे तू चिल्लाकर डाँटना मत प्लीज़! बूढ़े लोग सब समय खुद को उपेक्षित महसूस करते रहते हैं, तुझे नहीं पता।

एक दिन मुझे कान से सुनाई देना बंद हो जाएगा, एक बार में मुझे समझ में नहीं आएगा कि तू क्या कह रहा है, लेकिन इसलिए तू मुझे बहरा मत कहना! ज़रूरत पड़े तो कह उठाकर एक बार फिर से वह बात कह देना या फिर लिख ही देना काग़ज़ पर। मुझे माफ़कर देना। मैं तो प्राकृति के नियम से बूढ़ा गया हूँ, मैं क्या करूँ बता।

और जब मेरे घुटने काँपने लगेंगे, दोनों पैर इस शरीर का वज़न उठाने से इनकार कर देंगे। तू थोड़ा-सा धीरज रखकर मुझे उठ खड़ा होने में मदद नहीं करेगा। बोल, जिस तरह तूने मेरे पैरों के पंजों पर खड़ा होकर पहली बार चलना सीखा था, उसी तरह।

कभी-कभी टूटे रेकॉर्ड प्लेयर की तरह मैं बकबक करता रहूँगा, तू थोड़ा कष्ट करके सुनना। मेरी खिल्ली मत उड़ाना प्लीज़। मेरी बकबक से बेचैन मत हो जाना। तुझे याद है, बचपन में तू एक गुब्बारे के लिए मेरे कान के पास कितनी देर तक भुनभुन करता रहता था। जब तक मैं तुझे वह ख़रीद न देता था, याद आ रहा है तुझे।

हो सके तो मेरे शरीर की गंध को भी माफ़ कर देना। मेरी देह में बुढ़ापे की गंध पैदा हो रही है। तब नहाने के लिए मुझसे ज़बर्दस्ती मत करना। मेरा शरीर उस समय बहुत कमज़ोर हो जाएगा, ज़रा-सा पानी लगते ही ठंड लग जाएगी। मुझे देखकर नाक मत सिकोड़ना प्लीज़! तुझे याद है, मैं तेरे पीछे दौड़ता रहता था क्योंकि तू नहाना नहीं चाहता था। तू विश्वास कर, बूढ़ों को ऐसा ही होता है। हो सकता है एक दिन तुझे यह समझ में आए, हो सकता है ऐसा न हो।

तेरे पास अगर समय रहे, हम लोग साथ में गपशप लड़ाएँगे, ठीक है।

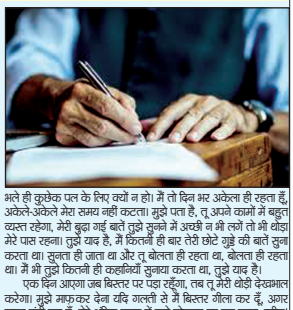

भले ही कुछेक पल के लिए क्यों न हो। मैं तो दिन भर अकेला ही रहता हूँ, अकेले-अकेले मेरा समय नहीं कटता। मुझे पता है, तू अपने कामों में बहुत व्यस्त रहेगा, मेरी बूढ़ा गई बातें तुझे सुनने में अच्छी न भी लगें तो भी थोड़ा मेरे पास रहना। तुझे याद है, मैं कितनी ही बार तेरी छोटे गुड्डे की बातें सुना करता था। सुनता ही जाता था और तू बोलता ही रहता था, बोलता ही रहता था। मैं भी तुझे कितनी ही कहानियाँ सुनाया करता था, तुझे याद है।

एक दिन आएगा जब बिस्तर पर पड़ा रहूँगा, तब तू मेरी दाढ़ी देखभाल करेगा। मुझे माफ़कर देना यदि गलती से मैं बिस्तर गीला कर दूँ, अगर चादर गंदी कर दूँ, मेरे अंतिम समय में मुझे छोड़कर दूर मत रहना, प्लीज़!

जब समय हो जाएगा, मेरा हाथ तू अपनी मुट्ठी में भर लेना। मुझे थोड़ी हिम्मत देना ताकि मैं निर्भय होकर मृत्यु का आलिंगन कर सकूँ। चिंता मत करना, जब मुझे मेरे सृष्टा दिखाई दे जाएँगे, उनके कानों में फुसफुसाकर कहूँगा कि वे तेरा कल्याण करें। तुझे हर अमंगल से बचायें। कारण कि तू मुझसे प्यार करता था। मेरे बुढ़ापे के समय तूने मेरी देखभाल की थी।

मैं तुझसे बहुत-बहुत प्यार करता हूँ रे, तू बहुत अच्छे-से रहना। इसके अलावा और क्या कह सकता हूँ, क्या दे सकता हूँ भला।

पीपी

परिष्कार मैरिज ब्यूरो

वधु चाहिए

आवश्यकता है 27 वर्षीय एमए पास प्राइवेट बैंक में कार्यरत लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब: 8302406, डाबला, कायथा। पो.बा. नं. 407, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 27 वर्षीय बीए एलएल बी पास लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब: 8302406, पवेराबाल, महलोता। पो.बा. नं. 406, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 25 वर्षीय 12वीं पास लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब: 8302406, किराड़, मोरवाल, डाबला। पो.बा. नं. 395, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 27 वर्षीय बीकॉम पास लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब: 8302406, निर्वाण, मौर्या, कायथा। पो.बा. नं. 404, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 30 वर्षीय स्नातक पास लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब: 8302406, शर्मा, बमणिया। पो.बा. नं. 402, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है देवली में स्वयं की ई-मित्र शॉप एवं गिफ्टिंग वर्क इन मेटल मार्किंग मशीन 29 वर्षीय एमकॉम लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब: महलोत, शर्मा, कायथा। पो.बा. 601/24, सम्पर्क करें 9314407796 या 9928428368 देखें वेब साईट www. siddscreation.com

---

आवश्यकता है दिल्ली में कार्यरत 34वर्षीय बीए एलएलबी एडवोकेट लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब: डाबला, मोरवाल, सोलंकी। पो.बा. 513 ए, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है जोधपुर हाईकोर्ट में कार्यरत 32 वर्षीय बीए एलएलबी एडवोकेट लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब: डाबला, मोरवाल, सोलंकी। पो.बा. 513 बी, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 25 वर्षीय एमए लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब: डाबला, किराड़, निर्वाण। पो.बा.509, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 24 वर्षीय बीए लड़के के लिए सुंदर, सुशील कन्या की। मोब:

वर चाहिए

आवश्यकता है 25 वर्षीय, एग्रीकल्चर साईंटिस्ट लड़की के लिए नौकरी या स्व रोज़गार करने वाले लड़के की। मोब: कायथा, तुगरिया, माथर। पो.बॉ. 525, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 24 वर्षीय, बीए, एम ए लड़की के लिए नौकरी या स्व रोज़गार करने वाले लड़के की। मोब: किराड़, इन्दौरा, दैतण। पो.बॉ. 373, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 25 वर्षीय, बीए, लड़की के लिए नौकरी या स्व रोज़गार करने वाले लड़के की। मोब: माथर, डाबला, महलोता। पो.बॉ. 376, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 22 वर्षीय, बीए टीचर की तैयारी लड़की के लिए नौकरी या स्व रोज़गार करने वाले लड़के की। मोब: तुगरिया, डाबला, निर्वाण। पो.बॉ. 359, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 22 वर्षीय, बीए, प्राइवेट जॉब लड़की के लिए नौकरी या स्व रोज़गार करने वाले लड़के की। मोब: माथर, सीलण, होटला, पो. बा. 262, सम्पर्क करें 9314407796,

आवश्यकता है 25 वर्षीय, एमकॉमपास लड़की के लिए नौकरी या स्व रोज़गार करने वाले लड़के की। मोब: बनगवाल, मोरवाल, तुर्किया, इन्दौरा। पो.बॉ. 510, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 21 वर्षीय, बीए पास लड़की के लिए नौकरी या स्व रोज़गार करने वाले लड़के की। मोब: इन्दौरा, कटारिया, तुगरिया। पो.बॉ. 508, सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 25 वर्षीय, बीए पास लड़की के लिए नौकरी या स्व रोज़गार करने वाले लड़के की। मोब: तुगरिया, माथर, डाबला, अटकाण। पो.बॉ. 398 , सम्पर्क करें 9314407796

आवश्यकता है 23 वर्षीय, बीएससी लड़की के लिए नौकरी या स्व रोज़गार करने वाले लड़के की। मोब: निर्वाण, बावलिया, शर्मा पो.बॉ. बी-2 एफ, सम्पर्क करें 9314407796

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया जीआईटीबी का दौरा

जीआईटीबी से प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगाः दिया कुमारी

इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ते पर्यटन के अनुरूप होना चाहिए

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने नोवोटेल कन्वेंशन सेंटर में ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के 13वें संस्करण का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने एग्जीबिशन का अवलोकन किया और इनबाउंड टूर ऑपरेटर्स और पर्यटन व्यवसायियों के बीच चल रही बी टू बी मीटिंग्स का अपडेट प्राप्त किया। उन्होंने इस मेगा इनबाउंड टूरिज्म मार्ट में निरंतर वृद्धि की सराहना करते हुए नए वित्तीय वर्ष के पहले प्रमुख पर्यटन कार्यक्रम के रूप में इसके महत्व पर प्रकाश डालए जो पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पर्यटकों की बढ़ती संख्या के अनुरूप बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया और पर्यटन को मजबूत करने के लिए सरकार की भागीदारी और पर्यटन व्यवसायियों से सहयोग का आग्रह किया। इस अवसर पर पर्यटन विभाग प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, पर्यटन विभाग निदेशक रश्मि शर्मा, फिक्की टूरिज्म एंड कल्चरल कमेटी, चेयरमैन दीपक देवा, फिक्की की पूर्व प्रेसिडेंट और ललित सूरी हॉस्पिटेलिटी ग्रुप की सीएमडी डॉ ज्योत्सना सूरी और एफएचटीआर व एचआरएआर अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि इस अंतर्राष्ट्रीय मार्ट का आयोजन पर्यटन विभाग राजस्थान सरकार पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फिक्की द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस आयोजन को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान एचआरएआर, इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन आईएचएचए और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स रटो का भी सहयोग प्राप्त है। मार्ट के दो दिनों में लगभग 10,000 पूर्व निर्धारित, संरचित बीटूबी बैठकें होंगी। इस आयोजन में 52 देशों के 242 विदेशी टूर ऑपरेटर्स और 10 राज्यों के स्टेट टूरिज्म बोर्ड के प्रतिनिधि भी भाग ले रहे हैं।

विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने किया ओपन जेल का निरीक्षण

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर) के निर्देशानुसार पल्लवी शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा 7 मई तक को सांगानेर स्थित खुला बंदी शिविर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश द्वारा खुली जेल में निरूद्ध सभी बंदियों से संवाद किया गया तथा बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए वंचित एवं पात्र बंदियों को विधिक सहायता हेतु आवेदन करवाएं गये। निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा बंदियों के लिए कारागृह प्रशासन द्वारा उपलब्ध करवाई गई आवास एवं साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लिया गया।

जयपुर में पहले वेड इन इंडिया एक्पो का उद्घाटन

केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय राज. सरकार और फिक्की ने भारत को सर्वश्रेष्ठ वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में किया प्रदर्शित

50 से अधिक देशों के 275 एफटीओ और लगभग 200 भारतीय विक्रेताओं के बीच 11,000 से अधिक व्यावसायिक बैठकें निर्धारित डीएमसी के 300 प्रदर्शनी बूथ, राज्य पर्यटन बोर्ड्स, होटल्स अपने उत्पाद करेंगे प्रदर्शित बुनियादी ढांचे के विकास और बेहतर पहुंच वेड इन इंडिया को प्रोत्साहन प्रदान करेगी : मनीषा सक्सेना डीजी, पर्यटन मंत्रालय

परिष्कार पत्रिका जयपुर। भारत के सांस्कृतिक पहलुओं के साथ-साथ, देश भर में तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास, विशेष रूप से पिछले कुछ वर्षों में हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी होने के कारण पहुंच में सुधार और डिजिटल एवं भौतिक कनेक्टिविटी में सुधार से दुनिया भर में डेस्टिनेशन वेडिंग्स में काफी सहायता मिल रही है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की महानिदेशक मनीषा सक्सेना ने जयपुर के रामबाग पैलेस में 5 मई से 7 मई तक आयोजित होने रहे पहले वेड इन इंडिया एक्सपो के उद्घाटन समारोह के दौरान यह बात कही। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की पहल, वेड इन इंडिया एक्सपो का आयोजन ग्रेट इंडिया ट्रैवल के साथ पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार और फेडरेशन ऑफइंडियन चैंबर्स ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री फिक्की द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस आयोजन को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफराजस्थान एचआरएआर, इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन आईएचएचए और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स रटो का भी सहयोग प्राप्त है। मनीषा सक्सेना ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक परंपराओं के अपने अनूठे मिश्रण के साथ शादियों में जादू पैदा कर सकता है, राजस्थान के साथ-साथ मध्य प्रदेश, उड़ीसा, हरियाणा, केरल और गोवा वेड-इन-इंडिया के लिए पसंदीदा स्थान हैं। पूर्वोत्तर भी तेजी से एक पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है, खासकर असम के चाय बागान, दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी, मिज़ोरम और मणिपुर।

भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान गोवा में आयोजित जी-20 टूरिज्म ग्रुप की बैठकों में से एक को अनुभव साझा करते हुए सक्सेना ने कहा, हमने 500 वर्ष पुराने घर में सभी मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधियों की मेजबानी की, जिसमें 200 साल पुरानी कटलरी रखी हुई है। भारत में ऐसी कई तरह की संपत्तियां हैं। हम पर्यटन मंत्रालय में मूर्त और अमूर्त दोनों संपत्तियों के इस भंडार का दस्तावेजीकरण करने की प्रक्रिया में हैं।

उद्घाटन सत्र के दौरान गायत्री राठौड़, आईएएस प्रमुख शासन सचिव पर्यटन विभाग राजस्थान सरकार ने कहा कि पर्यटन विभाग राजस्थान सरकार को पहली बार वेड इन इंडिया एक्सपो आयोजित मिलने पर प्रसन्नता है। राजस्थान अपनी राजसी और भव्य सेटिंग के कारण लंबे समय से सेलिब्रिटी शादियों के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन रहा है। राज्य के शाहदार महलए किले और हवेलियां, जिन्हें लक्जरी हेरिटेज होटलों में बदल दिया गया है, वे इन भव्य समारोहों के लिए एक राजसी पृष्ठभूमि प्रदान करते हैं। राजस्थान का विश्व स्तरीय आतिथ्य, पारंपरिक व्यंजन और जीवंत मनोरंजन कपल्स और उनके मेहमानों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बनाते हैं।

एक्सपो में फिक्की वेडिंग टूरिज्म टास्कफोर्स के अध्यक्ष और वेडिंग लाइन के प्रबंध निदेशक, चेतन वोहरा ने कहा कि आतिथ्य हर भारतीय की रगों में दौड़ता है और हम एक ही विश्वास के साथ बड़े हुए हैं, हर अतिथि के लिए अपना दिल और अपना घर इस तरह खोलना जैसे कि वे भगवान हों, जिसे हम अतिथि देवो भव कहते हैं। वेड इन इंडिया समिट इस सपने को साकार करने में हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। दीपक देवा, अध्यक्ष, फिक्की टूरिज्म एंड कृचरल कमेटी और प्रबंध निदेशक ट्रैवल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने कहा कि यह पहल वेडिंग टूरिज्म इंडस्ट्री के विविध हितधारकों के लिए एक समावेशी मंच के रूप में कार्य करेगी, जिसमें वेडिंग प्लानर्स, होटल व्यवसायी, डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनीज, राज्य सरकार और पॉलिसीमेकर्स शामिल हैं।

फिक्की की पूर्व प्रेसिडेंट और ललित सूरी हॉस्पिटेलिटी ग्रुप की सीएमडी डॉ ज्योत्सना सूरी ने कहा कि यह एक्सपो राजस्थान से बढ़कर अंतर्राष्ट्रीय बनाने की दिशा में एक लंबा सफर तय करने जा रहा है। भारत में बहुत सारे आकर्षक वेडिंग डेस्टिनेशन हैं, जो वाकई काफी सुंदर व मनमोहक हैं। इवेंट एंड एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट एसोसिएशन ईईएमए के पूर्व अध्यक्ष सब्बास जोसेफने भारत को दुनिया का वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने के लिए भारत के आकर्षणों, अवसरों एवं चुनौतियों के बारे में विस्तार से बात की।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए फिक्की के महासचिव एस के पाठक ने कहा कि भारतीय लोग देश में और प्रवासी भारतीय वैश्विक स्तर पर अधिक समृद्ध हो रहे हैं। अपने लोगों और अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाने के लिए अपने ही देश में अधिक खर्च करना बेहतर है। इसलिए वेड इन इंडिया एक बेहतरीन पहल है। उद्घाटन सत्र के दौरान से आई डू इन इंडिया नामक वेड इन इंडिया फिल्म का प्रीमियर आयोजित किया गया, जिसमें वेडिंग के लिए भारत के खूबसूरत स्थलों और आर्किटेक्चरल चमत्कारों को प्रदर्शित किया गया, जिसने यहां उपस्थित दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

राजस्थान के जयपुर, उदयपुर एवं जोधपुर जैसे प्रमुख शहर शादियों के लिए पहले से ही भारतीयों और विदेशियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इसी पर आधारित रोमांस इन राजस्थान शीर्षक से एक ऑडियो-विजुअल प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया, जिसके जरिए ग्रामीण राजस्थान में शादी के साथ-साथ हनीमून की संभावनाओं के बारे में बताया गया।

दिनभर कई पैनल डिस्कशन आयोजित किए गए। जिनमें इंडिया अवेंट्रस यू इवेंट्यूएटिंग द रेडीमेड ऑफ इंडियाज वेडिंग इकोसिस्टम टू फेस इंटरनेशनल कॉमपिटिशन, लोकल बट ग्लोबल इंडिया इन द न्यूजर, सैफन थिंद इंटरनेशनल वेडिंग प्लानर्स और गेटिंग इंप्लायई एलाइनड्रिश्य सक्सेस स्टोरीज एंड चैलेंजेज कुछ प्रमुख विषय थे। इनमें विशेषज्ञों ने भारत को वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में देश की तैयारियों और अवसरों पर चर्चा की। वेड इन इंडिया एक्सपो में कई नीति निर्माता, पर्यटन व हॉस्पेटिलिटी इंडस्ट्री के दिग्गज और 50 से अधिक देशों के टूर ऑपरेटर भाग ले रहे हैं। एक्सपो में श्रेडीनेस ऑफ इंडियाज वेडिंग इकोसिस्टम, डायनेमिक्स ऑफ वेडिंग टूरिज्म एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडियाज लार्जर टूरिज्म इंडस्ट्री, कम्पेटेटिव स्टडी ऑफ नेशनल एंड इंटरनेशनल टूरिज्म डेस्टिनेशंस जैसे विषयों पर सैशन, एक बॉट लीडरशिप स्पीच, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय वेडिंग स्टेकहोल्डर्स की राउंड टेबल के साथ-साथ नेटवर्किंग डिनर व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

एक्सपो में भारत के पर्यटन, यात्रा और आतिथ्य क्षेत्रों के दिग्गजों के साथ-साथ ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के पर्यटन बोर्डों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए हैं।

सेंट जेवियर्स स्कूल नेवटा में मनाया 'अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस'

प्रार्थना सभा कर श्रमिकों का जताया आभार

परिष्कार पत्रिका जयपुर। सेंट जेवियर्स स्कूल नेवटा के प्रांगण में 1 मई 2024 को 'अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस' के अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत सभी श्रमिकों का विद्यालय के बैंड 'सिल्वर स्टिंटुग' द्वारा स्वागत किया गया। उनके अथक परिश्रम, समर्पण, त्याग एवं विद्यालय के प्रति अविस्मरणीय योगदान हेतु उन्हें पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर संगीतराज एस.जे. ने सभा में उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। प्रत्येक विद्यार्थी को यह समझने का प्रयास करना चाहिए कि वह भी श्रमिकों की सहायता करें। उन्हें वह सम्मान दे जिसके वे योग्य हैं। देश को उन्नति के शिखर तक पहुंचाने में श्रमिकों का अहम् योगदान है। श्रमिकों को हीन भावना की दृष्टि से न देखकर बल्कि उन्हें सम्मान दें। उनके कार्यों में सहयोग करें। प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों से अपने जीवन में यह सीख अपनाने की बात कही कि वे अपने घर में भी माता-पिता के कार्यों में सहयोग करें। दैनिक कार्यों को स्वयं करें न कि दूसरों पर निर्भर रहें। देश एवं समाज को उन्नत एवं प्रगतिशील करने में हर वर्ग का विशेष योगदान है फिर चाहे वह श्रमिक वर्ग ही क्यों ना हो। वातावरण की स्वच्छता, सुंदरता का श्रेय इन्हीं को जाता है। यह हमारा उत्तरदायित्व है कि हम केवल आज ही नहीं अपितु हर दिन इनके प्रयासों की सराहना करें एवं इनके प्रति कृतज्ञ रहें।

महात्मा गांधी स्कूल में ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू

एक विद्यार्थी प्रवेश के लिए 5 स्कूलों का चयन कर सकेगा लॉटरी के बाद एक स्कूल में करनी होगी रिपोर्टिंग

परिष्कार पत्रिका जयपुर। शिक्षा विभाग की ओर से अंग्रेजी माध्यम के महात्मा गांधी राजकीय स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया मंगलवार से प्रारंभ हो गई। वहीं, शिक्षा विभाग ने आवेदन को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। आवेदन व लॉटरी की प्रक्रिया आरटीई की तर्ज पर होगी। एक विद्यार्थी एक ही आवेदन कर सकता है, लेकिन इसमें वह प्रवेश के लिए 5 स्कूलों का चयन कर सकता है। लॉटरी में इन सभी स्कूलों में विद्यार्थी का वरियता क्रमांक तय होगा। इसके बाद उसे इनमें से किसी एक स्कूल में रिपोर्टिंग करनी होगी। शेष स्कूलों में वह प्रवेश की दौड़ से बाहर हो जाएगा। इससे पहले अभिभावकों में असमंजस की स्थिति थी कि वह एक ही स्कूल में आवेदन कर सकता है या एक से अधिक स्कूलों में। अगर एक से अधिक स्कूलों में कर सकता है तो क्या सभी के लिए अलग-अलग आवेदन करना होगा। विभाग की ओर से मंगलवार को जारी नए दिशा निर्देशों में कहा गया कि 12 मई तक ऑनलाइन आवेदन होंगे। एक ही ऑनलाइन आवेदन में 5 स्कूलों के विकल्प वरियता के अनुसार चयन किया जा सकता है। प्रवेश के लिए 14 मई को निकलने वाली लॉटरी में प्रवेश का वरियता क्रम तय होगा। इसके बाद 5 जुलाई तक रिपोर्टिंग करनी होगी। रिपोर्टिंग 5 में से एक ही स्कूल में होगी। इसके बाद अन्य 4 स्कूलों में प्रवेश की यात्रा नहीं रहेगी। रिपोर्टिंग नहीं करने पर चयन निरस्त कर दिया जाएगा।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मानसरोवर

सत्र 2023-24 स्थानीय परीक्षाओं का परिणाम घोषित

परिष्कार पत्रिका जयपुर। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कावेरी पथ मानसरोवर जयपुर में विद्यार्थियों व अभिभावकों ने स्थानीय परीक्षाओं कक्षा 1-7, 9, 11 का परिणाम प्राप्त किया । विद्यालय का परीक्षा परिणाम सत्र 2023-24 का 92 प्रतिशत रहा । अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की प्रिंसिपल अंजु चौधरी ने प्रोत्साहित किया तथा आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। इसी के साथ आज से कक्षा 1 से 10 तक रिक्त सीटों के प्रवेश प्रक्रिया भी प्रारंभ हुई जिसके लिये शिक्षा विभाग द्वारा क्यूआर कोड जारी किया गया, जिसके माध्यम से प्रवेश फॉर्म भरा तथा जिन्हें किसी प्रकार की समस्या आ रही थी तो उनके लिए स्थानीय विद्यालय में हेल्प डेस्क रखी गई जिस पर आने वाली टेक्निकल समस्याओं का समाधान किया गया।

पोहार प्रबंध संस्थान के एम.बी.ए पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन अब 02 जून तक

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के आर.ए.पोद्दार प्रबंध संस्थान में एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों हेतु सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय प्रवेश पूर्व परीक्षा पीआईएम-मैट 2024 का आयोजन कर रहा है। विश्वविद्यालय में इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथी 02 जून निर्धारित की गई है। पोद्दार प्रबंध संस्थान की निदेशक डॉ. शिखा नैनावत के अनुसार एम.बी.ए. एवं एम.बी.ए. (सर्विसेज मैनेजमेंट) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदक का स्नातक (10+2+3) परीक्षा न्यूनतम 50प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। (ST/SC श्रेणी के आवेदकों के लिये 45) जो विद्यार्थी इस वर्ष स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षा दे रहे है वे भी प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते है।

अब स्कूली वाहनों में सीसीटीवी कैमरे लगने होंगे अनिवार्य, विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला

परिष्कार पत्रिका जयपुर। (जितेन्द्र वर्मा) प्रदेश में लगातार बढ़ रहे स्कूली वाहनों से होने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने अब बड़ा फैसला लिया है, स्कूली स्टूडेंट को ले जाने वाली बसों और अन्य बाल वाहिनियों में अब सीसीटीवी कैमरे लगाए जाना अनिवार्य होगा।

प्रदेश के अधिकतर सभी स्कूलों में स्कूली परिवहन सुरक्षित नहीं है सिर्फग्रामीण इलाके ही नहीं बल्कि बड़े-बड़े शहरों के स्कूलों में भी स्कूली परिवहन से जुड़े नियम और कायदों को फॉलो नहीं किया जा रहा यही कारण है कि बीते कुछ महीनो से प्रदेश में लगातार स्कूली वाहनों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं की खबरें सामने आ रही है।

प्रदेश के कई नॉमिनल स्कूल प्रबंधन की लापरवाही के भेट चढ़ चुके हैं। प्रदेश के अधिकतर स्कूलों का ध्यान सिर्फ फीस वसूलने पर है बच्चों की सुरक्षा को लेकर अधिकतर स्कूल काफी लापरवाह नजर आ रहे हैं। समय-समय पर परिवहन विभाग ने नियमों के विपरीत चल रही बाल वाहिनियों के विरुद्ध जांच अभियान भी चलाए हैं और इस जांच अभियानों में बहुत बड़े पैमानों पर स्कूली वाहनों में गड़बड़ी मिली है। लेकिन सच्चाई यह है कि स्कूलों की तरफ से इस ओर कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा जिससे स्कूटी वाहनों से स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा हमेशा खतरे में रहती है।

परिवहन विभाग ने अब एक बड़ा फैसला लेते हुए सभी बाल वाहनियों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के आदेश जारी किए हैं। बलवानियों में लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरा की मॉनिटरिंग सभी स्कूलों को करनी होगी जिससे स्टूडेंट की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और उन्हें स्कूल से घर और घर से स्कूल के सफर में कोई खतरा नहीं हो। बाल्वानियों में सीसीटीवी कैमरे लगने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सकेगी क्योंकि अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं स्कूलों की ओर से मॉनिटरिंग नहीं होने के कारण हो रही है बाल वाहिनियों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के बात स्कूल प्रबंधन आसानी से स्कूली वाहनों की मॉनीटरिंग कर सकेंगे। अभी प्रदेश में शायद ही कोई ऐसा स्कूल हो जिसके स्कूली वाहन में सीसीटीवी कैमरे लगे हो ऐसे में सीसीटीवी कैमरे लगने से स्कूली बच्चों का सफर सुरक्षित हो सकेगा।

...बाल वाहिनियों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के नियम...

1. प्रत्येक बाल वाहिनी में लाइव करवेज रिकॉर्डिंग के लिए शिक्षण संस्था के वाहनों में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा।
2. बाल वाहिनी में सीसीटीवी कैमरे इस तरह से लगाए जाएंगे जिससे वाहन के अंदर का पूरा दृश्य दिखाई दे।
3. 9 से अधिक क्षमता की सीट वाली शिक्षण संस्था बस में कम से कम दो सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे 9 से कम सीट क्षमता वाले वाहनों में कम से कम एक सीसीटीवी कैमरा लगाना होगा।
4. स्कूली बस में छात्रों के चढ़ने और उतरने के लिए प्रयोग किए जाने वाले गेट को भी सीसीटीवी कैमरे से कवर करना होगा।
5. बाल वाहिनी चालक द्वारा कैमरे हमेशा चालू हालत में रखना आवश्यक होगा कैमरा बंद पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।
6. बाल वाहिनी वाहनों में लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरे 4जी तकनीक युक्त होंगे जिस कमरे का लाइव फीड 4जी इंटरनेट के माध्यम से शिक्षण संस्था द्वारा देखा जाएगा और उसकी रिकॉर्डिंग की जाएगी।
7. शिक्षण संस्थान को सीसीटीवी कवरेज की कम से कम 3 माह की रिकॉर्डिंग रखनी होगी।

गर्मी के बढ़ते प्रकोप से सावधानी रखें आमजन : डॉ हंसराज भदालिया

परिष्कार पत्रिका जयपुर। गर्मी बढने के साथ ही लू-तापघात की सम्भावना को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा अधिकारियों, कर्मचारियों व आमजन को विशेष अहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ हंसराज भदालिया ने समस्त बीसीएमओ को गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं रखने व फील्ड स्टाफको अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लू-तापघात के रोगियों हेतु कुछ बैड आरक्षित रखते हुए वहां कूलर व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था संस्थान में रोगी के उपचार हेतु आपातकालीन किट में ओआरएस एवं आवश्यक दवाइयां रखने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने लोगों से अपील की है कि जहां तक संभव होए तेज़ धूप में न निकलें, अगर जाना पड़े, तो शरीर पूर्ण तरह से ढका हो। धूप में बाहर जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के ढीले व सूती कपड़ों का उपयोग करें। बहुत अधिक भीड़, गर्म घुटन भरे कमरों में बैठने से बचें, रेल या बस आदि की यात्रा अत्यावश्यक होने पर ही करें। खाली पेट घर से बाहर न निकलें। भोजन करके एवं पानी पीने के बाद ही घर से बाहर निकलें। ऐसे मौसम में सड़े.गले फल व बासी सब्जियों का उपयोग ना करें। गर्मी में हमेशा पानी अधिक मात्रा मे पिएं एवं नींबू पानी, नारियल पानी, जूस आदि का प्रयोग करें। उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य डॉ सुरेंद्र कुमार गोयल ने बताया कि शरीर में लवण व पानी अपर्याप्त होने पर विषम गर्म वातावरण में लू-तापघात का कई लक्षणो से पता लगाया जा सकता है। यदि पेशे में सिर का भारीपन व सिरदर्द हो, अधिक प्यास व शरीर में भारीपन के साथ थकावट लगे तो लू-ताघात हो सकता है। इसके अलावा जी मिचलाना, सिर चकराना, शरीर का तापमान बढना, पसीना आना बंद होना, मुंह का लाल हो जाना, त्वचा का सूखा होना, अत्यधिक प्यास का लगना, बेहोश होना या बेहोशी लगना जैसी स्थिति होने पर लू-ताघात का प्रभाव हो सकता है। प्राथमिक उपचार के तौर पर लू-ताघात से प्रभावित रोगी को तुरंत छायादार जगह व खुली हवा में कपड़े ढीले कर लेटा दें। रोगी को होश मे आने पर उसे ठण्डे पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल, कच्चा आम का पना दें। रोगी के शरीर का ताप कम करने के लिए उसके शरीर पर ठण्डे पानी की पट्टियां रखें। इस प्रक्रिया को तब तक दोहराएं, जब तक की शरीर का ताप कम नहीं हो जाता है। उक्त प्राथमिक उपचार के साथ-साथ प्रभावित मरीज को तुरन्त निकट के स्वास्थ्य केन्द्र ले जाएं।

एसएस एजुकेषन इंस्टिट्यूट में लगाया रक्त दान शिविर

विवाह की 21 वीं वर्षगांठ पर योगेन्द्र सैनी ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

परिष्कार पत्रिका जयपुर। कमला नेहरू नगर स्थित एस. एस. एजुकेशन इंस्टिट्यूट में निदेशक योगेंद्र कुमार सैनी और धर्मपत्नी सुमन सैनी की 21वीं शादी के सालगिरह पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिविल लाइन विधानसभा विधायक गोपाल शर्मा रहे। जिन्होंने कार्यक्रम में रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। साथ ही ऐसे आयोजन के लिए बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की। बनू मोटोवेटर कांटसल्ट जेपी बुनकर ने बताया कि रक्त दान महादान है। रक्त दान कर हम मानव सेवा का धर्म निभा सकते हैं। इसके लिए जो व्यक्ति अपनी 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है, साथ ही जिसका हीमोग्लोबिन 12.5 से अधिक है वह स्वस्थ व्यक्ति रक्त दान कर सकता है। रक्त दाताओं को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं हेल्मेट वितरित किए गए। इस दौरान डॉ राज शर्मा, डॉ द्वारिका प्रसाद, भवानी शंकर, दीपक, जतिन, रोहित, पब्लिक हेल्थ ग्रुप व स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंत में सभी ने अल्पाहार का आनंद लिया।

पक्षी मित्र अभियान में दिया अपना योगदान

दीपेश शर्मा के नेतृत्व में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय सेक्टर 6 हाउसिंग बोर्ड प्रताप नगर में समाजसेवी वोटर नगर निगम सदस्य दीपेश शर्मा के सहयोग से राजस्थान पत्रिका के पक्षी मित्र अभियान के तहत पक्षियों के लिए 50 परिंडे लगाए गए हैं। समाजसेवी दीपेश शर्मा ने पत्रिका पक्षी मित्र अभियान से जुड़कर परिंडे लगाने का अभियान शुरु किया। इसके तहत बेजुबान परिंदो के लिए प्रताप नगर, सांगानेर मानसरोवर के पार्क, स्कूल आदि जगह पर 1000 परिंडे लगाए जाएंगे। परिंडों में पानी डालने की जिम्मेदारी संस्था प्रधान रमेशचंद्र शर्मा ने अपने विद्यालय स्टाफ को स्वयं ली। इस अवसर पर संस्था प्रधान रमेश चंद्र शर्मा और उनके विद्यालय स्टाफ ने पत्रिका के पक्षी मित्र अभियान को सराहना की ओर विद्यालय परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर वोटर नगर निगम सदस्य दीपेश शर्मा, विनायक सेवा संस्थान के डायरेक्टर अरके मीणा, सुनिल शर्मा, चेतन मीणा, धीरज शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के अतुज साहू, चेतन मीणा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफमौजूद रहा।

आईएसएम एज्यूटेक का 20 वां वार्षिकोत्सव संपन्न

डॉक्टर भगवान का रूप हैः पूनिया

परिष्कार पत्रिका जयपुर। आईएसएम एज्यूटेक की ओर से ली मेरिडियन होटल, में 20वां वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में देश भर में एज्यूटेक से बने डॉक्टर और विदेशों में पढ़ने वाले विद्यार्थी शामिल हुए। इसमें शैक्षिक प्रौद्योगिकी नेटवर्क के द्वारा होने वाले कार्यक्रम में ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक विषयों पर चर्चा की गई। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. सतीश पूनिया, पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना में डॉक्टरों ने ही आम नागरिकों को बीमारी से लड़कर उबारने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। डॉक्टरों को इसीलिए ही धरती का भगवान माना गया। आईईएसएम एज्यूटेक इस क्षेत्र में बहुत बड़ी भूमिका और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आईएसएम एज्यूटेक के सीईओ डॉ. फणी भूषण पोटू ने कहा कि पिछले 20 वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को विदेश से चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश और रोजगार दिलाने में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। एज्यूटेक शिक्षा तथा व्यापक और इंटरनैशिव शिक्षण का समर्थन करने वाले मजबूत संरचनात्मक ढांचे पर डिजाइन से विद्यार्थियों को मजबूत बनाता है। एज्यूटेक का उद्देश्य राजस्थान में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में अनुभव, देखभाल की गुणवत्ता और रोगी परिणामों में सुधार लाने का है। एज्यूटेक द्वारा 20 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ 12,000 से अधिक छात्रों को उपलब्धि हासिल करने के लिए सशक्त बनाया है। असाधारण डॉक्टर बनने का उनका सपना साकार कर रहे है। हमारे व्यापक नेटवर्क में 14 शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। हमारा प्रयास है कि दुनिया भर में प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय चिकित्सा विश्वविद्यालय में हम पारदर्शिता प्रदान करने पर गर्व करते हैं, वैयक्तिक कृत और व्यवस्थित मार्गदर्शन, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक छात्र को व्यावहारिक समर्थन प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। डॉ. ओझिया सक्सेना ने कहा कि जिन विद्यार्थियों को भारत में डॉक्टर बनने का सपना पूरा नहीं होता उन्हें हम विदेशों में डॉक्टर बनाकर भारत में सेवा करने के लिए तैयार करते हैं। इस मौके पर विदेशों में भारतीय विद्यार्थियों को डॉक्टर बनाने में उल्लेखनीय योगदान करने वाले किर्गिस्तान के 11, जॉर्जिया के 8, कजाकिस्तान और ताजिक के 4 - 4 डॉक्टरों को स्मृति चिन्ह, गुलदस्ता देकर और शॉल ओढ़ाकर राजस्थानी परंपरा से सम्मान किया गया।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह आयोजित

द्वितीय दीक्षांत समारोह.2024 के दौरान कुल 20 स्वर्ण पदक एवं बीटेक 2529, बीटेक ऑनर्स 18, एमबी, 426, एमसीए 139, एमटेक 42, बीआर्क 3, बी डिजाइन 14 पाठ्यक्रम सहित कुल 3171 डिग्रियों का किया गया वितरण

परिष्कार पत्रिका बीकानेर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि विद्यार्थी, वैदिक भारत के शाश्वत सिद्धांतों को आधार बनाकर ऐसे नवाचार करें, जो प्रकृति के अनुकूल हो। राज्यपाल मिश्र बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में निहित अद्वितीय क्षमताओं को पहचानते हुए उन्हें भविष्य के अवसरों के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों को तकनीकी शिक्षा में प्रधानता देने के लिए चिंतन की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों में इस तरह के शोध और अनुसंधान हों, जिससे देश के संसाधनों से स्वानीय उत्पादों का निर्माण हो सके। नई शिक्षा नीति में शोध और अनुसंधान की मौलिक परंपरा पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

पाराशर विद्यालय ने जारी किया परीक्षा परिणाम

अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान

परिष्कार पत्रिका जयपुर। पाराशर सीनियर सैकेंडरी स्कूल पार्क व्यू कॉलोनी एनबीसी कॉलोनी हसनपुरा जयपुर में सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी नवीन वर्मा के नेतृत्व में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले 200 बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मान किया गया। विद्यालय डायरेक्टर रामलाल पाराशर ने स्कूल की प्रगति और छात्र की पढ़ाई को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्र निश्चित तौर पर बधाई के पात्र हैं और उन्हें ज्यादा मेहनत करनी चाहिए क्योंकि अब प्रतिस्पर्धा का समय है। ऐसे में ज्यादा परिश्रम की ज्यादा जरूरत होती है। वहीं उन्होंने अन्य छात्रों को भी समझाते हुए कहा कि वह चिंता ना करें बल्कि मन लगाकर पढ़ाई करेंगे तो निश्चित तौर पर उन्हें सफलता मिलेगी और अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे। प्रधानाचार्या शुगर पाल ने सभी आए हुए अभिभावकों को स्मृति देकर सम्मानित किया तथा उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

तीन पहर बीत गए बस एक पहर ही बाकी

परिष्कार पत्रिका जयपुर।
तीन पहर तो बीत गये
बस एक पहर ही बाकी है।
जीवन हाथों से फिसल गया
बस खाली मुट्ठी बाकी है।
सब कुछ पाया इस जीवन में
फिर भी इच्छाएं बाकी हैं
दुनिया से हमने क्या पाया
यह लेखा-जोखा बहुत हुआ
इस जग ने हमसे क्या पाया
बस ये गणनाएं बाकी हैं।
इस भाग-दौड़ की दुनिया में
हमको इक पल का होश नहीं
वैसे तो जीवन सुखमय है
पर फिर भी क्यों संतोष नहीं।
क्या यूं ही जीवन बीतेगा
क्या यूं ही सांसें बंद होंगी
आँखों की पीड़ा देख समझ
कब अपनी आंखें नम होंगी
मन के अंतर में कहीं छिपे
इस प्रश्न का उत्तर बाकी है।
मेरी खुशियां मेरे सपने
मेरे बच्चे मेरे अपने
यह करते-करते शाम हुई
इससे पहले तम छा जाए
इससे पहले कि शाम ढले
कुछ दूर पराई बस्ती में
इक दीप जलाना बाकी है।
तीन पहर तो बीत गये
बस एक पहर ही बाकी है।
जीवन हाथों से फिसल गया
बस खाली मुट्ठी बाकी है।

जीवन की सारी दौड़ केवल अतिरिक्त के लिए हैं। अतिरिक्त पैसा, अतिरिक्त पहचान, अतिरिक्त शोहरत, अतिरिक्त प्रतिष्ठा, यदि यह अतिरिक्त पाने की लालसा ना हो तो जीवन एकदम सरल है।

संस्कारों की क्षीणता के बीच नए सिरे से राष्ट्रीयता का भावबोध समझने की आवश्यकता

परिष्कार पत्रिका लाडनूं। जैन विश्वभारती संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के अंतर्गत आयोजित मासिक व्याख्यानमाला में मंगलवार को राष्ट्रीय भावबोध का अर्थ एवं महत्व विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य प्रो आनंदप्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुए इस व्याख्यान में हिंदी व्याख्याता अभिषेक चारण ने राष्ट्रीय भावबोध का अर्थ एवं महत्व बताते हुए 1857 की क्रांति की प्रेरक परिस्थितियों एवं उससे उपजी साहित्यिक पृष्ठभूमि पर निर्मित भारतेंदु युग में व्याप्त राष्ट्रीयता के भाव-बोध से की और हिन्दी साहित्य में उस युग को पुनर्जागरण काल बताया। उन्होंने 1880 में उन्मे गद्य लेखक मुंशी प्रेमचंद के कवि रूप को याद करते हुए उनकी काव्य कृति सोते वतन को राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय भावबोध में राष्ट्रीयता परमार्थ की प्रेरणा देती है, अतः वर्तमान में संस्कारों की क्षीण होती धारा के बीच नई पीढ़ी को नए सिरे से राष्ट्रीयता के भावबोध को समझने की आवश्यकता भी महसूस की।

प्रकाश विद्या निकेतन में किया नए विद्यार्थियों का अभिनंदन

परिष्कार पत्रिका जयपुर। नये सत्र के प्रारंभ के साथ ही विद्यालयों में नए विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया। इसी कड़ी में प्रकाश विद्या निकेतन सीनियर सैकण्डरी स्कूल शांतिनगर जयपुर में नए सत्र में प्रवेश लेने वाले नन्हें-नन्हें विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। विद्यालय के निदेशक सिद्धार्थ सिंह चौहान ने नए विद्यार्थियों के प्रवेश पर शुभकामनाएं देते हुए परिष्कार पत्रिका को बताया कि सत्र 2022-23 में परीक्षा परिणाम शानदार रहा। इसके लिए विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने बताया कि नर्सरी से बारहवीं तक इस विद्यालय में कला वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय उपलब्ध है। विद्यालय में सभी आवश्यक सुविधाएं जैसे पेयजल के लिए वाटर कूलर, आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन, विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्यापन की व्यवस्थाओं के साथ कमजोर विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह सर्वाधिक गर्मी पुरस्कार दिलाने वाला एक मात्र विद्यालय है। उन्होंने नए सत्र के प्रारंभ के अवसर पर सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

हार्दिक शुभकामनाएं
विजयलक्ष्मी सी. सै. स्कूल
SAINT JOHN'S SCHOOL
Nursery to 6th
[अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम सहशैक्षणिक संस्था]
कला एवं वाणिज्य [कॉमर्स] संकाय
राजेश वर्मा प्रिंसिपल
28-29, नटराज विहार कॉलोनी, सिरसी रोड, भांकरोटा, जयपुर मो. 9351552934

रजि. न. 403
स्थापित - 1996-1997
पाराशर चिल्ड्रन पैराडाइज पब्लिक सी. सै. स्कूल
प्रवेश प्रारम्भ
विशेषताएं : श्रेष्ठ माहौल, परिशिक्षित अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा अध्यापन, साप्ताहिक टेस्ट, कम्प्यूटर एवम् एलआईटी हेतु विशेष कक्षाएं, डीजल वाहन सुविधा एवं बोन-फ्रूट, साप्ताहिक बाल सभा, कम्प्यूटर शिक्षा प्रायमिक कक्षाओं से, समय समय पर अध्यापक-अभिभावक संगोष्ठी।
रामलाल पाराशर, निदेशक
17, पार्क व्यू कॉलोनी, एनबीसी स्टाफ क्वार्टर्स के पीछे, हातीपुरा रोड़, जयपुर -6 राजस्थान
Mob. No. 9351451481, 7726857268

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिवस पर रक्त दान शिविर का आयोजन

जयपुर के धनवंतरी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट एण्ड हास्पिटल में लगाया रक्त दान शिविर

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिवस पर जयपुर के धनवंतरी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट एण्ड हॉस्पिटल में विशाल रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वैभव गहलोत सांसद प्रत्याशी, आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ आर पी सैनी निदेशक धनवंतरी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट एण्ड हॉस्पिटल थे। रक्तदान शिविर में हास्पिटल के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लेकर रक्तदान में अपना अमूल्य योगदान दिया। डीआरटी के छात्र रक्तदाता अंशुल किठार ने बताया कि रक्तदान कर हम किसी की जान बचा सकते हैं इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को साल में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

इस अवसर पर मिस्सलेह टांक प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन एवं चेयरमैन शिक्षा स्थाई समिति, पंचायत समिति पावटा ने युवाओं का उत्साह वर्धन किया और उन्हें रक्तदान के लिए प्रेरित किया। अध्यापक पुष्पेन्द्रशर्मा, भारती भारद्वाज ने भी विद्यार्थियों की हौसला अफजाही की और उन्हें रक्तदान के महत्व से अवगत कराया। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन और रक्तदाताओं के उत्साह को देखते हुए निदेशक डॉ आर पी सैनी ने सभी को शुभकामनाएं दी और अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर वैभव गहलोत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार की योजनाओं से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी जनकल्याणकारी पार्टी है। जिसके फैसले आमजन के हित में होते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं और आयुंतक अतिथियों को अल्पाहर दिया गया। निदेशक आरपी सैनी ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और सभी अतिथियों, सभी रक्तदाता, डॉक्टर और स्टॉफकर्मियों का आभार प्रकट किया।

नारायणा हॉस्पिटल जयपुर में हुई राजस्थान की पहली डीप ब्रेन स्टिमुलेशन सर्जरी

पार्किंसंस रोगियों के लिए आशा की नई किरण

परिष्कार पत्रिका जयपुर। नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर ने राजस्थान की पहली डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डी.बी.एस) सर्जरी सफलतापूर्वक की है, जो राज्य में मूवमेंट डिसऑर्डर के इलाज में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रक्रिया द्वारा पार्किंसंस रोग, डिस्टोनिया और अन्य कंपन जैसी समस्याओं से जूझ रहे रोगियों को नई उम्मीद जगी है। रोगियों की देखभाल को लेकर नारायणा हॉस्पिटल हमेशा से सजग रहा है और नारायणा हॉस्पिटल का यही प्रयास रहता है कि लोगों को समय रहते उचित परामर्श मिले, ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो पाए। 66 वर्षीय मरीज कृष्णा देवी पिछले छह वर्षों से कोनिक पार्किंसंस के लक्षणों से पीड़ित थी। अन्य समस्याओं के अलावा वह खाना खाने, लंबे समय तक बैठे रहने और चलने जैसे साधारण दैनिक कामों को भी करने में असमर्थ थी। फिर उनके किसी रिश्तेदार ने न्यूरोलॉजिस्ट एवं मूवमेंट डिसऑर्डर विशेषज्ञ डॉ. वैभव माथुर के बारे में बताया जिनसे संपर्क में आने के बाद यह पाया कि मरीज कोनिक पार्किंसंस की समस्या से पीड़ित हैं जिसे डी.बी.एस सर्जरी करने के बाद काफी हद तक सही किया जा सकता है। इसके बाद विशेषज्ञों की एक टीम का गठन किया गया जिसमें न्यूरोसर्जन, न्यूरोलॉजिस्ट, एनेस्थीसिया टीम और अन्य विशेषज्ञ शामिल थे। डी.बी.एस एक मिनिमली इनवेसिव सर्जिकल प्रक्रिया है जो मूवमेंट यानी गति को नियंत्रित करने के लिए मस्तिष्क के विशिष्ट भागों को टारगेट करती है। इसमें एक छोटा पेसमेकर छाती में प्रत्यारोपित किया जाता है और इलेक्ट्रोड के माध्यम से उसकी इलेक्ट्रिक पल्स को दिमाग में भेजा जाता है, जो असामान्य गतिविधि को नियंत्रित करता है और कंपन एवं अन्य मूवमेंट डिसऑर्डर के लक्षणों को कम करता है। इस सफलतापूर्वक इलाज का श्रेय राजस्थान के पहले मूवमेंट डिसऑर्डर स्पेशलिस्ट्स और नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के न्यूरोलॉजिस्ट्स डॉ. वैभव माथुर को जाता है, जिन्होंने इस अत्याधुनिक प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। डॉ. माथुर ने बताया कि रोगी में मूवमेंट डिसऑर्डर के कोनिक लक्षण थे जिन्हें सहन कर पाना रोगी के लिए काफी दर्दनाक हो रहा था, इसलिए हमने इस इनोवेटिव प्रक्रिया को करने का फैसला किया। सर्जरी 4 घंटे लंबी थी और एक बार प्रत्यारोपण हो जाने के बाद हमने पेसमेकर को प्रोग्राम करना शुरू कर दिया और कुछ दिनों में ही अच्छे परिणाम दिखने लगे। यह अपनी तरह की पहली डी.बी.एस सर्जरी है जो 1998 के पहले से ही उपयोग में है। हालांकि, इस सर्जरी और उसके बाद की प्रोग्रामिंग के लिए राजस्थान के मरीजों को दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और हैदराबाद की यात्रा करनी पड़ती थी। लेकिन उसी स्तर की विशेषज्ञता अब राजस्थान में भी उपलब्ध है जो पार्किंसंस रोग, डिस्टोनिया और कंपन के रोगियों के लिए वरदान साबित हो सकती है। डॉ. नितिन भाकर, कंसल्टेंट न्यूरो सर्जरी, नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर ने कहा कि, हमें डी.बी.एस सर्जरी करने वाला राजस्थान का पहला हॉस्पिटल होने पर गर्व है। यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया कोनिक मूवमेंट डिसऑर्डर से पीड़ित रोगियों के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी उपचार का विकल्प है। उन्होंने यह भी बताया कि इस मरीज की सर्जरी लगभग 4 घंटे चली। जिसके बाद मरीज को नया जीवन मिला। नारायणा हॉस्पिटल जयपुर के विलनिकन डायरेक्टर डॉ. प्रदीप कुमार गोयल ने कहा कि हमारा प्रयास हमेशा से मरीजों की देखभाल हेतु समर्पित रहना है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि हम रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम, निरंतर देखभाल एवं उपचार को लेकर कितने सजग हैं। हम सफल इलाज के माध्यम से मरीज को ठीक करने के साथ ही संपूर्ण देखभाल को लेकर समर्पित रहते हैं।

Regd. No. 240/80 Mob.: 7665252481
राजस्थान सरकार एवं मा.शि.बो. द्वारा मान्यता प्राप्त
प्रकाश विद्या निकेतन सीनियर सैकण्डरी स्कूल
शान्ति नगर, अजमेर रोड, जयपुर
कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय
नर्सरी से बारहवीं तक
PLAY GROUP TO XII
prakashschool111@gmail.com
prakashvidhyaniketanschool5873
FREE ADMISSION OPEN
सत्र 2024-25 का परीक्षा परिणाम
विज्ञान वर्ग - 100% | कला वर्ग - 100%
वाणिज्य वर्ग - 99% | दसवीं - 99%
आठवीं - 100% | पाँचवीं - 100%
आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन।
विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्यापन।
वाहन सुविधा उपलब्ध।
वाटर कूलर द्वारा पेयजल व्यवस्था।
सभी कक्षाओं में फर्नीचर की व्यवस्था।
कमजोर विद्यार्थियों के नि:शुल्क अतिरिक्त कक्षाएँ।
सर्वाधिक गार्गी पुरस्कार दिलाने वाले एक मात्र विद्यालय।
सांस्कृतिक एवं खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन।
फूलवती चौहान संस्थापक मो.: 9352495768
सिद्धार्थ सिंह चौहान निदेशक मो.: 7665252481
राजेश शर्मा समन्वयक मो.: 6350373115

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक और संपादक रवि सिंह किरार द्वारा एम बी प्रिन्टर्स डिग्गी हाऊस, एफ 76 करतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा 89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर से प्रकाशित। फोन नं. 141-2450128/ 9314407796 parishkarpatrika@gmail.com
www.parishkarpatrika.com, www.parishkarpatrika.page प्रधान संपादक हेमलता किरार तथा सलाहकार श्रवण सिंह किरार, विजय सिंह किरार, प्रचार एवं प्रसार प्रबंधक डी कुमार चित्र, शायर सिंह किरार